गजानन एसो फस गयो रे

दो नारीन के बीच गजानन एसो फस गयो रे॥

माथे का टीका रिद्धि मांगे,
सिद्धि मांगे गुरु ज्ञान गजानन एसो फस गयो रे,
दो नारीन के बीच गजानन एसो फस गयो रे॥

कानों के झुमके रिद्धि मांगे,
नाक की नथिनी रिद्धि मांगे,
सिद्धि मांगे गुरु ज्ञान गजानन एसो फस गया रे,
दो नारीन के बीच गजानन एसो फस गयो रे॥

गले का हरवा रिद्धि मांगे,
सिद्धि मांगे गुरु ज्ञान गजानन ऐसो फस गयो रे,
दो नारीन के बीच गजानन एसो फस गयो रे॥

पैरों की पायल रिद्धि मांगे,
सिद्धि मांगे गुरु ज्ञान गजानन ऐसो फस गयो रे,
दो नारीन के बीच गजानन एसो फस गयो रे॥

हाथों के कंगना रिद्धि मांगे,
सिद्धि मांगे गुरु ज्ञान गजानन ऐसो फस गयो रे,
दो नारीन के बीच गजानन एसो फस गयो रे॥

अंगों का लहंगा रिद्धि मांगे,
सिद्धि मांगे गुरु ज्ञान गजानन ऐसो फस गयो रे,
दो नारीन के बीच गजानन एसो फस गयो रे॥

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/26124/title/gajanan-aiso-fas-gayo-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |